THE C.E.S. COLLEGE OF ARTS AND COMMERCE, CUNCOLIM, SALCETE-GOA.

F.Y.B.A. I SEMESTER END EXAMINATION, OCT NOV 2019

SUBJECT- HINDI(DSC) PAPER CODE NO- HNC101

MADHYAKALIN EVAM AADHUNIK HINDI KAVYA TATHA VYAKRAN

TIME- 10.00AM-12.00 NOON DURATION- 2 HOURS

DATE-24-10-2019 MAXIMUM MARKS-80

प्र. 1 निम्नलिखित छः में से चार प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए। (100 शब्दों में) 12

अ)

1. कबीर के अनुसार मनुष्य को खजूर के पेड़ की तरह क्यों नहीं बनना चाहिए ?
2. तुलसीदास के अनुसार हम स्वयं को रामभक्त कब कह सकते हैं?
3. देवराज इंद्र अहल्या पर किस प्रकार मोहित हो जाते हैं?
4. प्रजापति द्वारा इंद्र को अपमानित करने का कारण क्या था?
5. गौतम ऋषि को वापस कुटिया में लौटते देख अहल्या को आश्चर्य क्यों होता है?
6. गौतम ऋषि के आश्रम का वर्णन कीजिए।

प्र. 1 निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए। 4

आ)

1 निरमल 2. करतव्य 3.सुभह 4. गाव
5. संर्पूण 6. बगिचा 7. गित 8. गूरु

प्र. 2 निम्नलिखित छः में से चार प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए।(100 शब्दों में)

अ)

1. कवि अरुण कमल अपनी मातृभूमि को क्यों पुकार रहे हैं?
2. कवि निराला किस अंधकार की बात कर रहे हैं?
3. माखनलाल चतुर्वेदी कोकिला को हूंकना बंद करने के लिए क्यों कहते हैं? 12
4. कवि धूमिल के अनुसार कविता पर बहस करना क्यों जरुरी है?
5. "बच्चे तो बेकारी के दिनों की बरकत है"- पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
6. कवि लीलाधर मंडलोई को किन बातों पर आपत्ति जताते हैं?

आ) निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद करते हुए संधि को पहचानिए। 4

1 सतीश 2. भास्कर 3. तल्लीन 4.नमस्कार

प्र. 3 अ) निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 12

1. कबहुंक हौं यहि रहनि रहौंगो
श्री रघुनाथ-कृपालु -कृपा तें सन्त सुभाव गहौंगो ।।
जथालाभ सन्तोष सदा काहू सों कछु न चहौंगो ।।
परहित-निरत निरन्तर मन क्रम वचन नेम विवहौंगो ।।

Scanned with CamScanner

पुरुषचवन अतिदुसह स्रवन सुनि तेहि पावक न दहौंगो ।।
विगत मान, सम सीतल मन, पर-गुनि, नहि दोष कहौंगो ।।
पिरिहरि देहजनित चिंता, दुख सुख समबुद्धि सहौगो ।
तुलसीदास प्रभु यहि पथ रहि अविचल हरिभक्ति लहौगो ।।

अथवा

1. लाजनी लपटी चितवनी भेद, भाव भरी
लसति ललित लाल चख तिरछानी मैं
छवि को सदन गोरो बदन, रुचिर भाल
रस निचुरत मीठी मृदु मुसक्यानि मैं
दसन दमक फैलि हियें मोती माल होती,
पिय सौं लड़कि प्रेम पगी बतरानी मैं
आनंद की निधी जगमगाती छबीली बाल
अंगनि अनंग-रंग ढुरिमुरि जानी मैं

आ) निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

1. लाल चेहरा है नहीं-
फिर लाल किसके
लाल खून नहीं
अरे कंकाल किसके
प्रेरणा सोई कि
आटा-दाल किसके

अथवा

2. फटा हुआ कपड़ा बदल देती है आत्मा तो
इसमें रोना क्या, धोना क्या
मैं क्या समझी, क्या नहीं समझी
अब कुछ भी याद नहीं

प्र. 4 अ) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लिखिए। (400 शब्दों में) 12

1. 'पुतली में संसार' कविता के भावार्थ को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आ) टिप्पणियाँ लिखिए।(200 शब्दों में)

1. इंद्र। 2. महर्षि गौतम।

प्र. 5 अ) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लिखिए। (400 शब्दों में) **12**

1. 'ओ अहल्या' खंडकाव्य में कवि ने नारी अपमान का वर्णन किस प्रकार किया है?

अथवा

आ) टिप्पणियाँ लिखिए। (200 शब्दों में)

1. 'यह आदमी' कविता का मूल स्वर। 2. तुलसीदास की रामभक्ति।

Scanned with CamScanner

प्र. 6) निम्नलिखित अविकारी शब्द प्रकारों में से किन्हीं तीन की सोदाहरण परिभाषा लिखिए। 12

1. क्रिया विशेषण अव्यय।
2. विस्मयादि बोधक अव्यय।
3. सम्बन्ध बोधक अव्यय।
4. विस्मयादि बोधक अव्यय।

Scanned with CamScanner